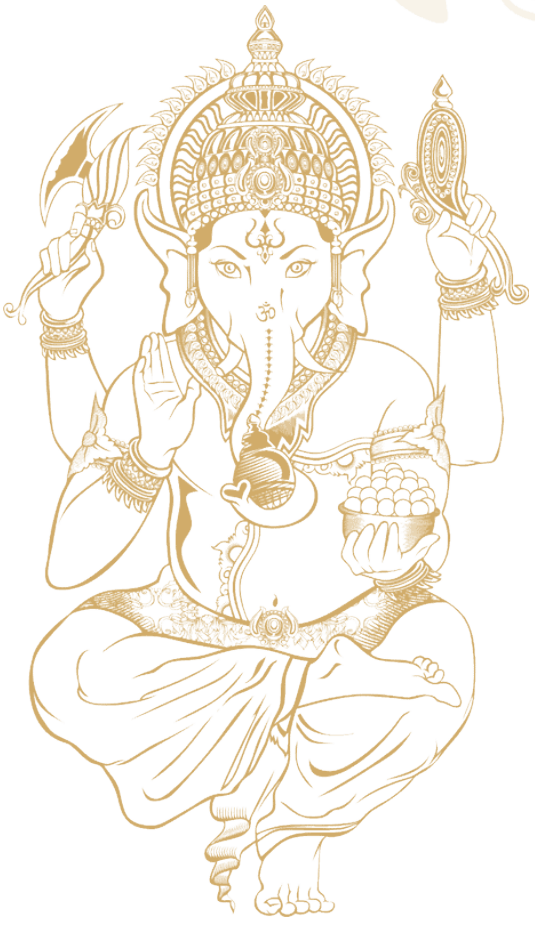

# Pushpraj

# Narmada

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121614703

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 10/03/2001 | जन्म तिथि | 03/09/2003 |
| शनिवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 06:55:00 | जन्म समय | 13:00:00 घंटे |
| घटी 00:35:46 | जन्म समय(घटी) | 17:06:42 घटी |
| India | देश | India |
| Ujjain | स्थान | Ujjain |
| 23:11:00 उत्तर | अक्षांश | 23:11:00 उत्तर |
| 75:50:00 पूर्व | रेखांश | 75:50:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:40 | स्थानिक संस्कार | -00:26:40 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:40:41 | सूर्योदय | 06:09:19 |
| 18:33:34 | सूर्यास्त | 18:42:37 |
| 23:52:09 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:54:17 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 4वर्ष 4मा 6दि | 29:16:52 | कुंभ | लग्न | वृश्चि | 17:54:07 | शनि 4वर्ष 2मा 7दि |
| राहु | 25:40:02 | कुंभ | सूर्य | सिंह | 16:29:51 | केतु |
| 16/07/2022 | 00:19:56 | कन्या | चंद्र | वृश्चि | 13:43:43 | 09/11/2024 |
| 16/07/2040 | 17:38:26 | वृश्चि | मंगल व | कुंभ | 09:39:28 | 10/11/2031 |
| राहु 28/03/2025 | 28:14:28 | मक | बुध व | कन्या | 00:45:45 | केतु 08/04/2025 |
| गुरु 22/08/2027 | 10:21:39 | वृष | गुरु | सिंह | 07:35:59 | शुक्र 08/06/2026 |
| शनि 28/06/2030 | 23:50:21 | मीन व | शुक्र | सिंह | 20:45:33 | सूर्य 14/10/2026 |
| बुध 14/01/2033 | 01:56:27 | वृष | शनि | मिथु | 16:54:47 | चन्द्र 15/05/2027 |
| केतु 02/02/2034 | 19:17:06 | मिथु व | राहु | मेष | 29:31:05 | मंगल 11/10/2027 |
| शुक्र 01/02/2037 | 19:17:06 | धनु व | केतु | तुला | 29:31:05 | राहु 28/10/2028 |
| सूर्य 27/12/2037 | 28:33:28 | मक | हर्ष व | कुंभ | 06:32:33 | गुरु 04/10/2029 |
| चन्द्र 28/06/2039 | 13:54:27 | मक | नेप व | मक | 17:07:03 | शनि 13/11/2030 |
| मंगल 16/07/2040 | 21:23:31 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 23:20:17 | बुध 10/11/2031 |

**लग्न-चलित**

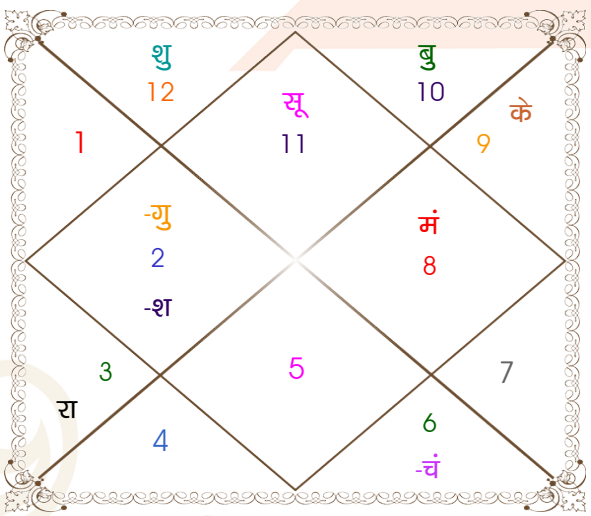


**लग्न-चलित**

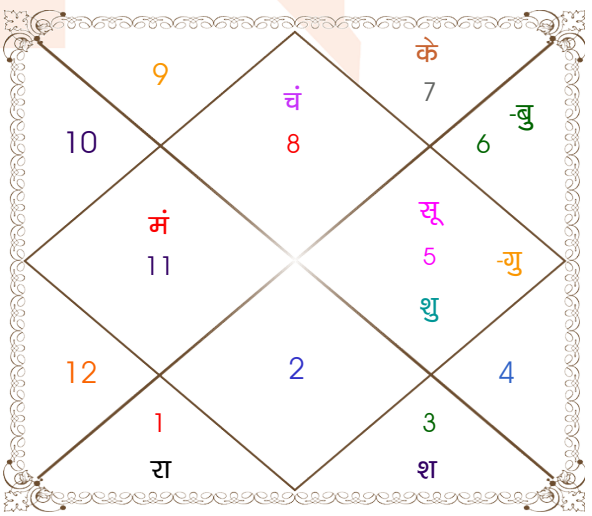

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | कीटक | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गौ | मृग | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | बुध | मंगल | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | देव | 6 | 5.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | कन्या | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 26.00 | | |

च्नौचतंर का वर्ग श्वान है तथा छंतउंकं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्नौचतंर और छंतउंकं का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

च्नौचतंर मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

छंतउंकं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि च्नौचतंर कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्नौचतंर तथा छंतउंकं में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।